61st Kerala School Kalolsavam
61-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം
2023 ജനുവരി 3 - 7 കോഴിക്കോട്
Kozhikode, Jan.

Item Code: 642 Participant Code: 106

जीवन में समय हमारा इन्दसार नहीं करेगा।

मुन्नी सबेरे उठती है और बहर की ओर खिड़की से देखता है। "वाह कितनी अच्छी सुबह है" मुन्नी बोली कोयल रानी कुहू कुहू करके अपनी मीठी स्वर लहरा रही है मुन्नी जलती माँ के पास गया और माँ से बोला माँ बाहर देखो किसत कितनी अच्छी नसारा है। "तुम ज़रूर बहर देखना चाहिए" मुन्नी की माँ बाहर देखता है "तुमने ठीक कहा है कितनी अच्छी नसारा है।" माँ ने बोला "तुम पढाई नहीं कर रहे हो क्या? कुछ दिनों के बात तुम्हारा तुमारा परीक्षा शुरु हो रहा है"। "उस के लिए और भी समय और दिन है अभी से तयार करना है क्यों" मुन्नी कहा। वह सब सुनकर मुन्नी की माँ ने कहा "तुम अपने आप आज पढना चाहिए कोई भी तुमारा मदत नहीं करेगा समझ में आया क्या?" मुन्नी माँ की आदेशों का ध्यान भी नहीं दिया। परीक्षा का समय धीरे-धीरे आया मुन्नी खेल खूतकर मज़े से गया। दिन बीत गया परीक्षा की दिन आया। मुन्नी डर से काँप रही थी तब उसको

②

अपनी माँ की उपदेशा याद में आया। मुन्नी शकर अपनी माँ के पास गया वह बहुत नरास थी। मुन्नी परीक्षा लिखी उस में मुन्नी की नम्बर पीछे था उसकी दोसतों की नम्बर आगे थी उसको बहुत बुरा लागा उसने तैर किया की अगे से ऐसा नहीं होगा। रब काम हम देर से खतम नहीं करना चाहिए यह हमारा भविशत्य के लिये बुरा है यह बात मुन्नी समझ लिया। उसके बात मुन्नी अपनी सपना पूरा करने के लिए परिश्रम करना शुरु कर दिया उसकी बहुत बडी सपना है एक ऐ.पी. एस बनु मुन्नी में यह बदलाव देखर मुन्नी की माँ उससे पूछा की 'इसका वजा क्या है' मुन्नी बोला की माँ मुझे मेरा सपना सच करना है मेरी ही नहीं बलकी मेरी पिता का वे हमेशा मुझे एक ऐ. पी एस बनाने का सपना देखर चलता था पर माँ ---
"बेटा ---- तुम दुख मत हो तुम परिश्रम ही करो सफलता हमेशा तुमारी साथ ही होगा" उसकी माँ बोला। मुन्नी किसी का भी इन्तसार नहीं किया और कोई भी उसका इन्तसार नहीं करेगा। यह बात उसने समझ लिया

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 642 Participant Code: 106

(3)

उसने समच लिया की जीवन में समय किसी का भी
इन्तज़ार नहीं करेगा। हमारे जीवन में कई काम
है जो हमें ही करना है किसी भी उसके लिए
हमें हमेशा मदद नहीं करेगा। एक बच्चे होने
के नाते हमारी काम है पढ़ाई करना और हमारे
माँ और पिता को खुश रखना जो हमारे पढ़ाई
की मेहनत से। हमें हमारे जीवन में एक अच्छा
आला वक्त नहीं मिलेगा अब ही देर नहीं हुआ
है आज से शुरू हो जाओ बदलाव कल दिखेगा।
यह सब उसने अपनी मन में रखकर परिश्रम
किया। सब परीक्षा में मुन्नी सबसे बढ़िया राग से
पास हुआ। "माँ कल है मेरी परीक्षा जो तैर
किलेगा मेरी "फविश" मुन्नी ने अपनी माँ से कहा।
"बेटा मुझे पता है की तू किस कल के लिए
बहुत परिश्रम किया है। वह तुमें ही मिलेगा"
माँ ने कहा। मुन्नी ने बहुत अच्छे से परीक्षा
की समना किया। वह खुशी-खुशी घर लौटा
लौटा। दिन बीत गया। उस परीक्षा की रिसल्ट
आने ही था। एक दिन मुन्नी को अपनी स्कूल से

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

फोन मिला उसमें सब खुशी था और मुन्नी को कुछ नहीं पता है क्या हो रहा है। उससे स्कूल की एक अध्यापिका ने बताया कि ऐ.पी.एस परीक्षा में मुन्नी एक राग से पास हुआ। यह सुनकर मुन्नी और उसकी माँ बहुत खुश हुआ। "माँ मेरी सपना सच होगया" मुन्नी माँ से कहा। माँ की आखों में से आसू आ रहा था वह खुशी का आसू था।

"यह सब तुमारी पिता देख रहा होगा वह बहुत खुश भी होगा। तुमारी पिता का सपना सच हुआ" माँ ने कहा उसकी आखों से आसू आ रही थी।

अकबारों में उसकी फोटो और मेहनत की कहानी छप गई उसकी इनटरव्यू टीवी में आया उसकी महनत के बारे में और जीत के बारे में इनटरव्यू लेने के लिये कुछ लोग उसकी घर में आया। उसमें से एक आदमी बोला की "आप आपके बारे में बताएँ आपकी कठीनाई के बारे में भी" मुन्नी ने बताना शुरु किया। उसने बोला की

(5) "मुझे पिता नहीं है वह एक दुर्घटना में मर गया मुझे पालकर माँ ने बड़ा किया था। मेरी पिता की सपना है की मुझे एक ऐ.पी.एस बनाना है वह दिन-रात मेहनत करता था। मेरी पिता के मृत्यु के बात। सब ने बोला मेरी माँ से बोला की दुबारा शादी करो पर उसने नहीं माना। माँ मेरे लिए जीना शुरु कर दिया मुझे पढ लिखकर यहाँ लाया है। अब मेरी पिता होता तो वह बहुत खुश होगा।" मुन्नी ने कहा।

यह सब बच्चों को प्रवाचन है। "मेरी मेहनत की कहानी दूसरे सब बच्चों को प्रवाचन होता है तो मुझे बहुत खुशी है।" हमारे जीवन में करने के लिए बहुत कुछ है। अभी देर तक नहीं हुआ है। आज ही शुरु करना है। मेहनत करो और अपने आप को अच्छे से अच्छा बनाओ। हमें कोई काम करना है तो बात कहना की "मैं उस काम कल या फीर करूँगा।" ऐसा कहने से आप और भी आलसी होता जाएगा और उस काम को पूरा भी नहीं कर पाएगा। परिश्रम का फल मीठा होता है

*———— *